



# प्र.मंत्री मोदी दो दिन की यात्रा पर आर.एस.एस. के मुख्यालय जायेंगे, 24 व 25 मार्च को

**मोदी दस साल में पहली बार, प्र.मंत्री बनने के बाद, आर.एस.एस. मुख्यालय जायेंगे**

-रेपु मित्तल-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूगो-

नई दिल्ली, संघर्ष चालक मोहन भागवत से दूरिया मिटाने के लिए 24 व 25 मार्च को दो दिवसीय यात्रा पर नामगुप्त जा रहे हैं। गत दस सालों में जब से मोदी ने नेतृत्व में भाजपा के लिए दो दिवसीय यात्रा पर नामगुप्त जा रहे हैं। सूत्रों ने इसे मोदी और भागवत के बीच "सीजफायर" बताया।

सूत्रों ने बताया कि सरकार के शुरूआती दिनों में संघ नेता चर्चा के लिए रेसेक्यू रोड जाकर थे, पर, किर उस पर रोक लगा दी गई।

दोनों के बीच गहरी खाई रही है। इन्होंने दोनों भी भाजपा अध्यक्ष पद के लिए एक-दूसरे को पसंद को अस्वीकार कर रहे हैं और वह निर्णय अपनी ओर लिता है। भाजपा, केंद्र सरकार व राज्य सरकारों में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों में आर.एस.एस. अपनी चलाना चाहती है।

बताया जाता है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के पद पर अंततः भाजपा को संघ की पसंद देवेन्द्र फड़नवीस को

- इस यात्रा को जानकार लोग "मोदी व भागवत के बीच "सीजफायर" की संज्ञा दे रहे हैं। क्योंकि प्र.मंत्री मोदी व संघ प्रमुख मोहन भागवत के बीच दूरियां काफी चर्चित हो गई थी तथा दोनों एक-दूसरे से कई मुद्दों पर सहमत नहीं हो पा रहे थे। तिशेषकर ऐसे मुद्दे पर भी कि नया भाजपा अध्यक्ष कौन बने।
- कई विवादास्पद मुद्दों में एक बड़ा मुद्दा यह भी है कि सितम्बर में मोदी 75 वर्ष के हो जायेंगे, तब वे रिटायरमेंट लेंगे, संघ व पार्टी की स्थापित परम्परा के अनुसार या यह सिद्धांत उन पर लागू नहीं करने का निर्णय लिया जायेगा। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि मोदी की रिटायरमेंट की तारीख से एक सप्ताह पूर्व ही मोहन भागवत भी 75 वर्ष की उम्र पार कर चुके होंगे। ऐसी हालत में 75 की उम्र पार करने के बाद कोई भी नेता संगठन व पार्टी किसी भी पद से रिटायरमेंट ले ले जाएगा।
- ऐसे कई मुद्दे हैं, जिन पर मोदी-भागवत की बैठक में चर्चा होगी तथा कोई ठोस निर्णय उभरने की आशा है।

स्वीकार करना ही पड़ा था।

भाजपा नेता कहते हैं कि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को 240 सीटें मिली हैं। यह स्पष्ट प्रमाण है कि चुनावों में संघ ने भाजपा का पूर्ण सहयोग नहीं किया और यही सच्चाई भाजपा नेतृत्व को संघ के दबावे पर ले रही है। सूत्रों ने यह बातों के लिए मोदी और भागवत के बीच "सीजफायर" शब्द का इस्तेमाल किया है कि कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी, जिनमें प्रमुख है भाजपा का अगला अध्यक्ष कौन होगा। मोदी के अगले मरिमंडल बाबूदल में किसे शामिल किया जाए, किसे होता है? उनका द्वारा भागवत के बीच गहरी भाजपा की अधिकारीयता की व्यापकी होगी? सितम्बर में मोदी 75 साल के हो जायेंगे, उसके बाद का रोड मैप क्या होता है? उनके 6 दिन पहले भागवत भी 75 के हो जायेंगे।

बता दोनों नेताओं के बीच सहयोग बनेंगे। दोनों टकराव के रास्ते पर चलते रहेंगे, जैसे गत कुछ वर्षों से चलते रहे हैं। सभी की नज़र इन दोनों की मीटिंग पर ही है।

क्या दोनों नेताओं के बीच सहयोग बनेंगे दोनों टकराव के रास्ते पर चलते रहेंगे, जैसे गत कुछ वर्षों से चलते रहे हैं। सभी की नज़र इन दोनों की मीटिंग पर ही है।

## थप्पड़ कांड के आरोपी नरेश मीणा को अभी रिहाई नहीं

जयपुर, 19 मार्च राजस्थान डाइरेक्ट ने देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर उपचानक के दौरान वृथत एवं एसडीएप को थप्पड़ मारने के मामले में निर्दिती उपर्युक्तरारे आरोपी नरेश मीणा की जमानत याचिका को

- कर्नाटक में 21 तारीख से आयोजित ऑल इंडिया प्रतिनिधि सभा के एजेंडा की जानकारी देते समय संघ के मुख्य प्रतिनिधि सभा सुनील अंबेडकर ने यह भी कहा कि किसी भी तरह की हिंसा समाज के लिये "अनहैल्दी" (हानिकारक) है।
- उनसे जब सीधी पूछा गया कि क्या आज मुत्यु के तीन सौ साल बाद, आरंगजेब का कुछ महत्व है तो उन्होंने दो टूक जवाब दिया, "बिल्कुल नहीं।"

संघ मासिक विवाद उत्तर से दूर करने के प्रयास कर रही है परंतु के राजनीतिक संवाद भाजपा के लिये वाचारिक संरक्षण राजीव स्वर्योपेक विवाद के बाबत नेता जो नामगुप्त की आवाज के दौर में प्रसारित होती थी।

ऑल इंडिया प्रतिनिधि सभा के विवाद के बाबत नेता जो नामगुप्त की आवाज के दौर में प्रसारित होती थी।

जिसका आयोजन करनाटक में 21 से 23 मार्च को हो रहा है, से पहले संघ के दिवाया और शारीरिक संघर्ष व सदाशावन बनाना चाहता है।

उत्तर प्रदेश में कुछ माह पूर्व जब

संघ मासिक विवाद उत्तर से दूर करने के प्रयास कर रही है परंतु के राजनीतिक संवाद भाजपा के लिये वाचारिक संरक्षण राजीव स्वर्योपेक विवाद के बाबत नेता जो नामगुप्त की आवाज के दौर में प्रसारित होती थी।

जिसका आयोजन करनाटक में 21 से 23 मार्च को हो रहा है, से पहले संघ के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खारिज कर दिया है। जस्टिस अनिल उपमान की एकलपीट ने यह आदेश नरेश मीणा की जमानत याचिका के

संघर्ष के बाबत नेता जो नामगुप्त की आवाज के दौर में प्रसारित होती थी।

संघर्ष के बाबत नेता जो नामगुप्त की आवाज के दौर में प्रसारित होती थी।

जिसका आयोजन करनाटक में 21 से 23 मार्च को हो रहा है, से पहले संघ के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खारिज कर दिया है। जस्टिस अनिल उपमान की एकलपीट ने यह आदेश नरेश मीणा की जमानत याचिका पर मुनवाई करते हुए दिए सुनवाई के दौरान की मुहिम संघर्षों ने एक विवाद के बाबत नेता जो नामगुप्त की आवाज के दौर में प्रसारित होती थी।

संघर्ष के बाबत नेता जो नामगुप्त की आवाज के दौर में प्रसारित होती थी।

जिसका आयोजन करनाटक में 21 से 23 मार्च को हो रहा है, से पहले संघ के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खारिज कर दिया है। जस्टिस अनिल उपमान की एकलपीट ने यह आदेश नरेश मीणा की जमानत याचिका के

संघर्ष के बाबत नेता जो नामगुप्त की आवाज के दौर में प्रसारित होती थी।

जिसका आयोजन करनाटक में 21 से 23 मार्च को हो रहा है, से पहले संघ के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खारिज कर दिया है। जस्टिस अनिल उपमान की एकलपीट ने यह आदेश नरेश मीणा की जमानत याचिका के

संघर्ष के बाबत नेता जो नामगुप्त की आवाज के दौर में प्रसारित होती थी।

जिसका आयोजन करनाटक में 21 से 23 मार्च को हो रहा है, से पहले संघ के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खारिज कर दिया है। जस्टिस अनिल उपमान की एकलपीट ने यह आदेश नरेश मीणा की जमानत याचिका के

संघर्ष के बाबत नेता जो नामगुप्त की आवाज के दौर में प्रसारित होती थी।

जिसका आयोजन करनाटक में 21 से 23 मार्च को हो रहा है, से पहले संघ के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खारिज कर दिया है। जस्टिस अनिल उपमान की एकलपीट ने यह आदेश नरेश मीणा की जमानत याचिका के

संघर्ष के बाबत नेता जो नामगुप्त की आवाज के दौर में प्रसारित होती थी।

जिसका आयोजन करनाटक में 21 से 23 मार्च को हो रहा है, से पहले संघ के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खारिज कर दिया है। जस्टिस अनिल उपमान की एकलपीट ने यह आदेश नरेश मीणा की जमानत याचिका के

संघर्ष के बाबत नेता जो नामगुप्त की आवाज के दौर में प्रसारित होती थी।

जिसका आयोजन करनाटक में 21 से 23 मार्च को हो रहा है, से पहले संघ के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खारिज कर दिया है। जस्टिस अनिल उपमान की एकलपीट ने













